अभिनंदन का अभिनंदन

प्रभात खबर
रांची, शनिवार
02.03.2019
15

गौरव. पाकिस्तान के एफ-16 विमान को खदेड़ते हुए पीओके पहुंच गये थे अभिनंदन, बहादुरी से पाकिस्तानी भी हैं हैरान

60 घंटे की मशक्कत के बाद भारत में अभिनंदन

नेशनल कंटेंट सेल

पाकिस्तान के बार-बार वक्त बदलने के बाद आखिरकार, विंग कमांडर अभिनंदन हिंदुस्तान की सरजमीं पर वापस लौट आये. गिरफ्तार होने से लेकर वापस स्वदेश लौटने के बीच देश ने 60 घंटों तक अभिनंदन के जज्बे, बहादुरी और हौसले को देखा. पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, सुबह करीब 8:45 बजे अभिनंदन पीओके में उतरे थे. इसके बाद शुरू हुआ पाक का खेल. बुधवार दोपहर 3.15 पर भारत के विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पायलट के 'मिसिंग इन एक्शन' यानी लड़ाई के दौरान गायब होने की बात कही. बुधवार शाम को ही अभिनंदन का एक वीडियो सामने आया जिसमें वे पाकिस्तानी सेना के कब्जे में चाय पीते दिखे.

- बुधवार शाम होते-होते जब पूरी तरह साफ हो गया कि अभिनंदन पाक सेना के कब्जे में है तो भारत की ओर से सख्त लहजे में पाक को कहा गया कि वह तुरंत अभिनंदन को लौटायें.
- रात होते-होते, अभिनंदन की वापसी के लिए भारत हर कूटनीतिक दरवाजे खोल चुका था.
- गुरुवार सुबह करीब नौ बजे खबर आयी कि एनएसए डोभाल ने यूएस के विदेश मंत्री से फोन पर बात की.
- पाक स्थित भारतीय उच्चायोग ने पाक विदेश मंत्रालय को आपत्ति पत्र (डिमार्शे) सौंपकर अभिनंदन की तुरंत रिहाई की मांग की.
- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कोई अच्छी खबर सामने आने वाली है. जाहिर है, भारत का कूटनीतिक दबाव काम करने लगा था.
- पाक के विदेश मंत्री ने कहा कि इमरान खान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं.
- दोपहर करीब तीन बजे भारत ने एक बार फिर चेतावनी दी कि पाकिस्तान के साथ कोई डील नहीं की जायेगी. भारत ने दोहराया कि अभिनंदन को खरोंच भी आयी तो कड़ी कार्रवाई की जायेगी.
- शाम करीब 4.30 बजे पाकिस्तान ने आखिरकार झुकते हुए कहा कि वह भारतीय पायलट अभिनंदन को छोड़ने को तैयार है. इसका एलान पाकिस्तान के पीएम इमरान खान ने संसद के भीतर से किया.
- गुरुवार शाम करीब सात बजे भारत की तीनों सेनाओं ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इसमें पाकिस्तान के हरेक झूठ को बेनकाब किया गया.
- शुक्रवार सुबह एक बार फिर पाकिस्तान ने ड्रामेबाजी शुरू की. पहले तय हुआ कि अभिनंदन को वाघा बॉर्डर पर दोपहर 2 बजे सौंपा जायेगा. फिर खबर आयी कि पाक उन्हें शाम को बीटिंग रिट्रीट के दौरान सौंपना चाहता है. भारत ने पाक को सीधे शब्दों में यह संदेश भिजवाया कि पायलट को बीटिंग रिट्रीट से पहले ही सौंप दिया जाये.
- दिन भर वाघा बॉर्डर पर गहमा-गहमी बनी रही. भारत ने अपनी तरफ की बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी रद्द करने का एलान किया.
- लेकिन पाक ने अपनी तरफ की सेरेमनी रद्द नहीं की. इस बीच एक खबर यह भी आयी कि पाकिस्तान की अदालत में अभिनंदन को भारत को सौंपने के खिलाफ अर्जी दाखिल हो गयी है. कुछ पल के लिए सांसें ठहर गयीं, दिल थम गये.
- कुछ देर में ही राहत भरी खबर आयी कि अदालत ने इस अर्जी को खारिज कर दिया है.
- आखिरकार, पूरे 60 घंटे तक पाकिस्तान की जमीं पर रहने के बाद जोश, जज्बे, जांबाजी और जिंदादिली की मिसाल विंग कमांडर अभिनंदन वर्दमान ने भारत की जमीं पर अपने कदम रखे.

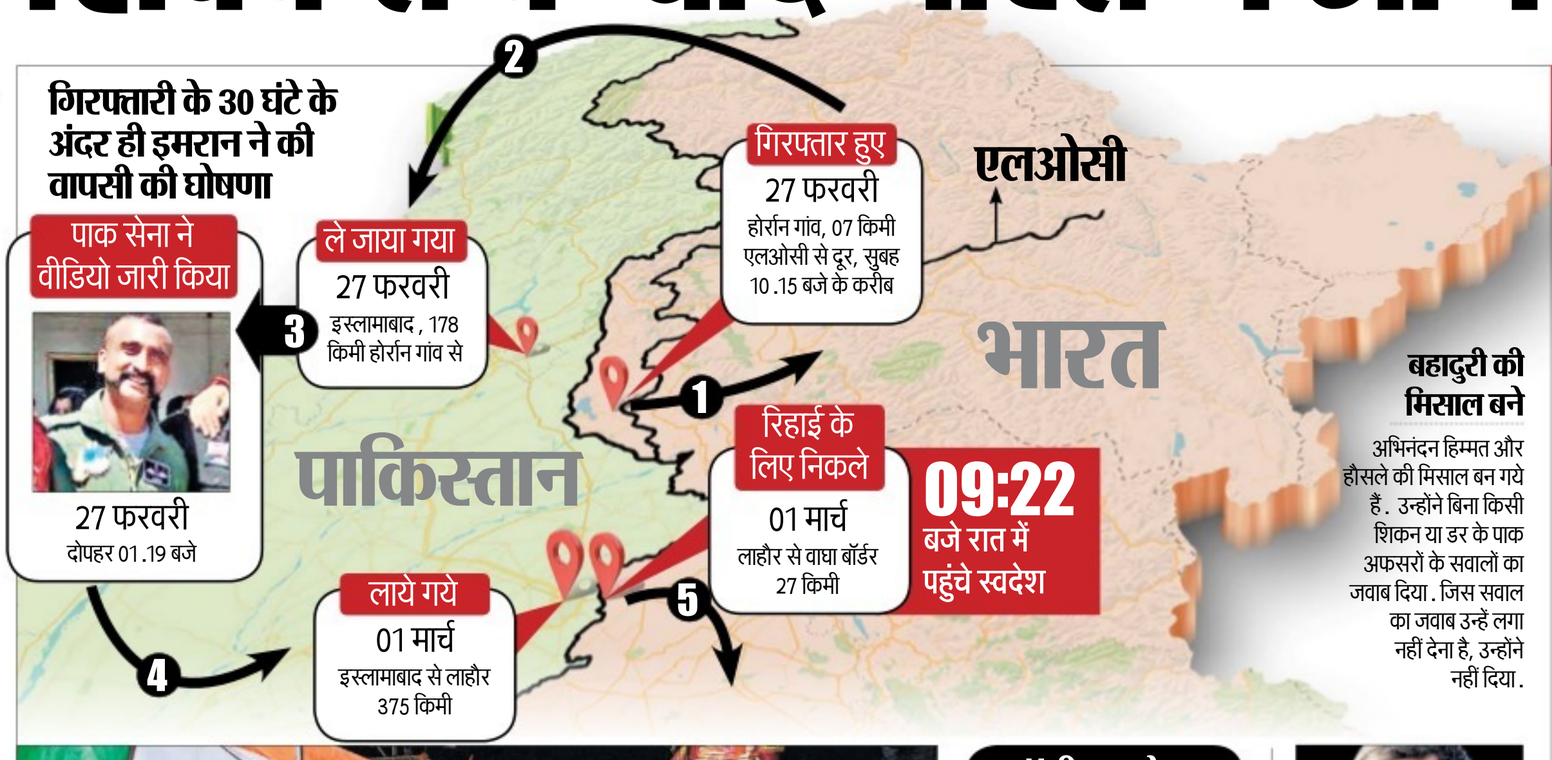

बहादुरी की मिसाल बने

अभिनंदन हिम्मत और हौसले की मिसाल बन गये हैं. उन्होंने बिना किसी शिकन या डर के पाक अफसरों के सवालों का जवाब दिया. जिस सवाल का जवाब उन्हें लगा नहीं देना है, उन्होंने नहीं दिया.

बॉलीवुड बोला

मैं खुश हूं कि विंग कमांडर अभिनंदन घर वापस आ रहे हैं.
अमिताभ बच्चन

घर वापस आने से बेहतर कोई एहसास नहीं है, क्योंकि घर प्यार, उम्मीद और सपनों का स्थान है. आपकी बहादुरी हमें मजबूत बनाती है. सदा आभारी.
शाहरुख खान

विंग कमांडर अभिनंदन की घर वापसी पर बहुत खुशी हुई. हमारे दिल गर्व और खुशी से भर गये हैं. जय हिंद
विवेक ओबरॉय

पढ़ने के बाद मेरे चेहरे पर खुशी आ गई. अब बस अभिनंदन की वापसी का इंतजार.
तापसी पन्नू

विंग कमांडर अभिनंदन, आपके आत्मविश्वास, प्रताप और बहादुर ने हम सभी को गर्व से भरने का काम किया है.
राहुल गांधी

प्रिय, विंग कमांडर अभिनंदन आपकी दिलेरी और साहस ने पूरे देश को गर्व से भर दिया है. आपकी वापसी से भारत खुश है.
अमित शाह

पाक मीडिया में भी छाये अभिनंदन

द डॉन

भाग्य ने अभिनंदन का साथ नहीं दिया

पाकिस्तानी अखबार 'द डॉन' ने लिखा है कि भाग्य ने अभिनंदन का साथ नहीं दिया क्योंकि उनका मिग-21 बाइसन पाक के नियंत्रण वाले हिस्से में गिरा. अखबार का कहना है कि आजाद कश्मीर में स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ा और पाकिस्तानी सेना को सौंपा, गुस्साई भीड़ से सेना के अधिकारियों ने उन्हें बचाया.

एक्सप्रेस ट्रिब्यून

भारतीय पायलट ने की पाक सेना की तारीफ

एक अन्य अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने अभिनंदन से जुड़ी दो खबरों को अपने पन्ने पर जगह दी है. खबर के अनुसार अभिनंदन के साथ जिस प्रकार का व्यवहार पाकिस्तानी सेना कर रही है उसकी देश के बाहर भी प्रशंसा मिल रही है. दूसरी खबर के अनुसार, एक भारतीय ने पाक सेना की तारीफ की है जो स्वागतयोग्य है.

द नेशन

सलामती बताने को सेना ने दूसरा वीडियो डाला

पैराशूट से उतरने के बाद स्थानीय लोगों ने अभिनंदन के साथ मारपीट की थी. कुछ लोगों ने अभिनंदन का वीडियो सोशल मीडिया में पोस्ट कर दिया जिसमें उनके चेहरे पर काफी सारा खून दिखायी दे रहा था. पायलट की सुरक्षा को लेकर भारत में चिंता न हो इसलिए बाद में सेना ने उनका दूसरा वीडियो जारी किया जिसमें वह सुरक्षित चाय पीते हुए दिखायी दे रहे थे.

फेक न्यूज

एक महिला बता दी गयी अभिनंदन की पत्नी

14 हजार बार शेयर किया जा चुका है वीडियो को

2.37 लाख बार से ज्यादा बाद देखा जा चुका है

विंग कमांडर अभिनंदन के देश लौटने से पहले ही सोशल मीडिया पर उनके परिवार को लेकर बहुत सी जानकारी शेयर की जा चुकी है. अब फेसबुक पेज, व्हाट्सएप और ट्विटर पर एक विडियो शेयर किया जा रहा है जिसमें एक महिला खुद को आर्मी अफसर की पत्नी बताते हुए राजनेताओं से जवानों के त्याग पर राजनीति न करने की अपील कर रही है. इस महिला को विंग कमांडर अभिनंदन की पत्नी बताया जा रहा है.

दावा

फेसबुक यूजर दिनेश सिंगता ने गुरुवार को एक विडियो पोस्ट किया और साथ में कैप्शन लिखा कि विंग कमांडर अभिनंदन जी की पत्नी का संदेश कि सैनिकों के बलिदान पर भाजपा न करे राजनीति. विडियो में महिला जो कह रही हैं उसका अनुवाद इस तरह है- हैलो, मैं एक आर्मी ऑफिसर की पत्नी हूं और सभी सशस्त्र बलों के परिवारों की ओर से अपने भारत के लोगों और खासतौर पर राजनेताओं से अपील करूंगी की हमारे जवानों के बलिदान पर राजनीति न करें. एक सैनिक होने के लिए बहुत कुछ त्यागना पड़ता है. जरा सोचिए कि इस समय अभिनंदन का परिवार किस पीड़ा, किस परेशानी से गुजर रहा होगा. इसलिए जब तक भारत-पाक सीमा पर तनाव कम न हो जाये कृपया अपनी रैलियां बंद कर दें और हमारे जवानों की मेहनत का श्रेय लेने की हिम्मत भी न करें. मैं फिर दोहरा रही हूं कि हिम्मत भी न करें. कृपया अपनी टिकट गिनना और राजनीति करना बंद करें. आपके पास राजनीति करने के लिए बहुत समय पड़ा है लेकिन इस वक्त नहीं. हमारे जवानों के बलिदान की कीमत पर नहीं. यह मेरा सभी राजनेताओं से निवेदन है.

सच

विडियो में दिखने वाली महिला विंग कमांडर अभिनंदन की पत्नी नहीं है. बल्कि, एक अन्य आर्मी ऑफिसर की पत्नी हैं.

कैसे हुई पड़ताल

गूगल पर 'अभिनंदन वर्दमान वाइफ' कीवर्ड सर्च करने पर 'तेलुगू समयम' को एक रिपोर्ट मिली, जिसमें बताया गया है कि अभिनंदन की पत्नी खुद भी भारतीय वायुसेना में पायलट रह चुकी हैं. इस रिपोर्ट में अभिनंदन की पत्नी तनवी मारवाह की तस्वीर भी दी गयी है. इस तस्वीर में अभिनंदन की पत्नी और विडियो में दिखने वाली महिला एकदम अलग हैं.

पाक विदेश मंत्री ने मसूद के पाकिस्तान में होने की बात कबूली

मसूद बेहद बीमार, घर से बाहर भी नहीं निकल सकता : कुरैशी

एजेंसियां ▷ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के उनके देश में मौजूद होने की बात कबूल कर ली है. लेकिन, उनका कहना है कि भारत द्वारा ठोस तथा अकाट्य प्रमाण देने (जो कि अदालत में पेश किये जा सकें) पर ही सरकार उसके खिलाफ कोई कदम उठा सकती है. कुरैशी ने अजहर पर सीएनएन से कहा कि मुझे मिली जानकारी के मुताबिक वह पाकिस्तान में ही है. वह इस हद तक बीमार है कि घर से बाहर भी नहीं निकल सकता. उन्होंने कहा कि मसूद अजहर पाकिस्तान में है. वह बहुत अस्वस्थ है. वह इस हद तक अस्वस्थ है कि वह अपना घर नहीं छोड़ सकता. कुरैशी ने यह भी कहा कि अदालत में पेश किये जाने लायक सबूत देने पर पाकिस्तान उसके खिलाफ कदम उठायेगा.

उन्होंने कहा कि अगर उनके पास ठोस सबूत और ऐसे प्रमाण हैं जो कि अदालत में सबूत के तौर पर पेश किये जा सकें, उन्हें हमसे साझा करें ताकि हम लोगों को विश्वास दिला सकें और पाकिस्तान की स्वतंत्र न्यायपालिका को विश्वास दिला सकें. उन्होंने कहा कि हमें कानूनी प्रक्रिया पूरी करनी होगी. कुरैशी ने भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्तमान को सौंपने के कदम को शांति की पहल बताते हुए कहा कि इसे पाकिस्तान की तनाव कम करने की इच्छा के तौर पर देखा जाना चाहिए.

जैश और मसूद अजहर पर कार्रवाई करेगा अमेरिका

अमेरिका ने जैश-ए-मोहम्मद और उसके सरगना मसूद अजहर के खिलाफ कार्रवाई का एलान किया है. अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि अमेरिका जैश और उसके सरगना के खिलाफ के काननू कार्रवाई करेगा, उसे पैसे पर रोक लग सके.

जैश सरगना अजहर मसूद ने भारत के खिलाफ गजवा-ए-हिंद जारी रखने का संकल्प लिया : रिपोर्ट

पुलवामा हमले के लिए जिम्मेदार जैश सरगना अजहर मसूद ने करीब सालभर पहले एक सम्मेलन में संकल्प लिया था कि भारत पाकिस्तान संबंध चाहे जिस भी स्थिति में रहे वह अपना 'गजवा ए हिंद' (भारत के खिलाफ जिहाद) जारी रखेगा. यह बात एक गुप्तचर रिपोर्ट में कही गयी है. अधिकारियों ने पाकिस्तान के ओकारा जिले में 27 नवंबर, 2017 को आयोजित सम्मेलन का उल्लेख करते हुए यह बात कही. उस सम्मेलन में 2000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था और जैश-ए-मोहम्मद की संगठनात्मक गतिविधियों और उसके प्रमुख मसूद अजहर की भूमिका की प्रशंसा की थी.

देश में कई जगहों पर आतंकी हमले को लेकर अलर्ट

नयी दिल्ली. भारत-पाक के बीच जारी तनाव के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने दिल्ली को अलर्ट किया है. खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आतंकी संगठन दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में आतंकी हमला कर सकते हैं. अलर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि पाकिस्तान आतंकी ग्रुप अब जम्मू-कश्मीर के अलावा हाई वैल्यू टारगेट पर हमला करना चाहते हैं. खुफिया जानकारी के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी दिल्ली के 29 महत्वपूर्ण स्थलों को आतंकी निशाना बना सकते हैं.

दिल्ली के 29 स्थलों पर हो सकते हैं आतंकी हमले : सुरक्षा एजेंसियों ने दिल्ली के 29 महत्वपूर्ण और खास स्थलों पर आतंकी हमलों की चेतावनी जारी की गयी है. दिल्ली में आतंकियों के निशाने पर इंडिया गेट, सेना भवन, प्रेसिडेंट हाउस, संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट, सरोजिनी नगर बाजार, चांदनी चौक, पालिका बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, लोटस टेंपल, लालकिला, नेशनल डिफेंस कॉलेज, चीफ जस्टिस हाउस, दिल्ली एयरपोर्ट का पार्किंग एरिया, दिल्ली रेलवे स्टेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय, एम्स, मॉल्स सिनेमा हॉल, डिफेंस कॉलेज और अक्षरधाम मंदिर शामिल हैं.

विदेशी मीडिया ने अभिनंदन पर मोदी को जम कर सराहा

नेशनल कंटेंट सेल

भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन की सकुशल और जल्द वापसी को भारत की कूटनीतिक जीत बताया जा रहा है. पूरी दुनिया की मीडिया ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं और पीएम मोदी को तुरंत फैसला लेने वाले नेता के रूप में पेश किया है.

द गार्जियन

ब्रिटेन के अखबार द गार्जियन ने लिखा है कि इमरान का अभिनंदन को रिहा करने का एलान काफी आश्चर्यजनक है. इसके बाद पाक भारत पर दबाव बनायेगा जिससे तनाव कम हो. लेकिन जब तक पाक यह स्वीकार नहीं कर लेता कि वह अपनी जमीन पर मौजूद आतंकी संगठनों पर कार्रवाई कर रहा है, तब तक भारत कार्रवाई जारी रख सकता है.

न्यूयॉर्क टाइम्स

अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा है कि पीएम मोदी पाक पीएम इमरान के प्रस्ताव को मानने के पक्ष में नहीं थे. बीते कई दशकों से पाकिस्तान के साथ चल रही बातचीत की प्रक्रिया थका देने वाली है. पाकिस्तान में मौजूद आतंकी समूहों पर कार्रवाई नहीं करने से भारत थका हुआ महसूस करने लगा है.

वॉशिंगटन पोस्ट

अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने लिखा कि भारत- पाक के बीच दशकों से सैन्य मुठभेड़ जारी हैं. दबाव के बीच इमरान ने अभिनंदन को रिहा करने की घोषणा की. वहीं, मोदी ने खुद को अचानक फैसले लेने वाले नेता के रूप में पेश किया, पाक नहीं जानता कि वह कहां वार कर सकता है.

सीएनएन

अमेरिकी समाचार संस्थान सीएनएन ने लिखा है कि जब दो बड़े देशों के बीच लड़ाई होती है तो लोगों के अंजाम भुगतने की संभावना ज्यादा होती है. यह बात कुछ समय पहले पाक में चुन कर सत्ता में आये इमरान और भारत में नरेंद्र मोदी दोनों महसूस कर रहे हैं.

डॉन

पाक अखबार डॉन ने लिखा है कि सैन्य घुसपैठ को लेकर निश्चित रूप से प्रतिक्रिया होनी चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमें भारतीय सीमा या नियंत्रण रेखा पर हमला करना चाहिए या पार करना चाहिए. पाकिस्तानी राजनयिकों के लिए इस तरह की आक्रामकता के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाना एक बड़ी चुनौती होगी.

पहले भी वायु सेना के तीन अधिकारी लौट चुके हैं स्वदेश

भारत विंग कमांडर अभिनंदन के 'अभिनंदन' के लिए तैयार है. अभिनंदन को पाक फौज ने उस वक्त पकड़ लिया था जब उनका विमान पीओके में गिर गया था.

नेशनल कंटेंट सेल

भारत विंग कमांडर अभिनंदन के 'अभिनंदन' के लिए तैयार है. अभिनंदन को पाक फौज ने उस वक्त पकड़ लिया था जब उनका विमान, पाक लड़ाकू विमान एफ-16 को मार गिराने के बाद पाक अधिकृत कश्मीर में जा गिरा था. अभिनंदन की ही बदौलत भारत में पाकिस्तानी वायुसेना की घुसपैठ नाकाम हुई थी. इसे बाद भारत सरकार के दबाव के बाद गुरुवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने संसद में अभिनंदन को सकुशल भारत को सौंपने घोषणा की थी. अभिनंदन के अलावा ऐसे तीन भारतीय वायुसेना अधिकारी भी हैं जो पाकिस्तान के साथ हुए 1965, 1971 और 1999 के युद्ध के दौरान पाक फौज की हिरासत में रहे और जिन्होंने वहां कारावास में फौज का उत्पीड़न सहा था. तीनों को ही अभिनंदन की ही तरह पाकिस्तानी वायुसेना को करारा जवाब देने के दौरान पकड़ लिया गया था. ये तीन भारतीय वायुसेना पायलट कंबंपति नचिकेता, जेएल भार्गव और केसी करियप्पा हैं. नचिकेता भारत और पाकिस्तान के बीच हुए 1999 के करगिल युद्ध के दौरान गिरफ्तार हुए और आठ दिनों तक पाक हिरासत में रहे. वहीं, जेएल भार्गव 1971 के युद्ध में एक साल तक पाक सेना की कैद में रहे. 1965 के युद्ध में एयर मार्शल केसी करियप्पा ने चार महीने पाक फौज की हिरासत में बिताये.

1 जेएल भार्गव से पाक के अधिकारी ने कहा- कलमा पढ़ें

पूर्व एयर कोमोडोर जेएल भार्गव 1971 के युद्ध में पाक सेना द्वारा पकड़े गये. भार्गव को पाक सेना ने कलमा पढ़ने के लिए कहा और जब वह नहीं पढ़ पाये तो उन्हें जेल भेज दिया गया. भार्गव का विमान 5 दिसंबर, 1971 को पाक में गिरा था. उन्होंने पाक फौज के हाथ लगने से पहले बारह घंटे तक अपनी पहचान छिपाये रखी थी. अपनी पहचान छिपाते-छिपाते आखिर में वे पाक फौज के हाथ लग ही गये. इससे पहले तक वे खुद को पाक सेना का जवान बताते रहे. उन्हें जब गिरफ्तार किया गया था तो अभिनंदन की तरह ही उनसे भी पूछा गया कि वह कहां से हैं, उन्होंने खुद को रावलपिंडी का बताया. जब किसी ने उनसे कहा कि वह भारत में खड़े हैं तो भार्गव चालाकी समझ गये और खुद को पाक भेजने की गुजारिश करने लगे.

2 नचिकेता को आठ दिनों तक अंधेरे कारावास में रखा

फ्लाइट लेफ्टिनेंट नचिकेता करगिल युद्ध के हीरो हैं. 26 मई, 1999 को करगिल युद्ध के दौरान बटालिक सेक्टर में जाने वाले नंबर 9स्क्वाड्रन आइएएफ पायलटों में से एक थे. नचिकेता ने 80 एमएम रॉकेट्स के जरिये दुश्मन के ठिकाने पर पहला वार किया और जैसे ही 30एमएम केनन से दूसरा वार कर रहे थे, विमान के इंजन में आग लग गयी और इंजन फेल हो गया. नचिकेता विमान से कूद गये और पाक की धरती पर पहुंच गये. जैसे ही वह पाकिस्तान की धरती पर पहुंचे उन्होंने पहले दो-तीन घंटों तक खुद को पाक फौज की पकड़ में आने से बचाये रखा. इसके बाद गस्त पर आयी पाक फौज ने उन्हें पकड़ लिया और आठ दिनों तक रावलपिंडी में अंधेरे कारावास में डाले रखा. यहां उन्हें खूब प्रताड़ित किया गया. उनसे तरह-तरह की जानकारी मांगी गयी.

3 पाक हिरासत में चार महीने रहे एयर मार्शल करियप्पा

एयर मार्शल केसी करियप्पा का विमान 1965 के युद्ध के आखिरी दिन पीओके में जा गिरा था. चार महीने पाक हिरासत में बिताने के बाद वह सकुशल भारत लौटे थे. केसी करियप्पा ने भी दूसरे वायुसेना अधिकारियों की ही तरह पाक फौज को सिर्फ अपना नाम, यूनिट नंबर व रैंक बतायी थी. उन्होंने पाकस्तानी फौज को यह जानकारी नहीं दी कि उनके पिता फील्ड मार्शल केएम करियप्पा हैं, जो कि आजाद भारत में सशस्त्र बलों के पहले भारतीय प्रमुख थे. इसके बाद पाकिस्तान के जनरल अयूब खान ने रेडियो के जरिये उनके पाक में गिरफ्तारी की घोषणा की और उनके सुरक्षित होने के बारे में जानकारी दी. इतना ही नहीं अयूब खान ने उन्हें जल्द रिहा करने की भी घोषणा की क्योंकि केसी करियप्पा के पिता ब्रिटिश इंडियन आर्मी के दौरान अयूब खान के बॉस थे.